Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

MoU signed between IIT Ropar and CUH including five central universities

Newspaper: Amar Ujala **Date: 01-08-2023**

आईआईटी रोपड़ संग काम करेगा हकेंवि

पांच केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आईआईटी रोपड़ के बीच हुआ करार

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए आईआईटी रोपड़ पंजाब, केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेंगा। हकेंवि सहित पांच केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आईआईटी, रोपड़ के बीच अखिल भारतीय शिक्षा समागम में केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास व उद्यामिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के बाद उत्तरी क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत साझेदार शैक्षणिक संस्थान मिलकर शोध, अनुसंधान, अध्ययन, अध्यापन व संसाधनों के विकास में योगदान देंगे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट के साथ-साथ स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम आदि के स्तर पर मिलकर काम करेंगे।

अखिल भारतीय शिक्षा समागम में शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर करते संस्थाओं के प्रमुख। स्रोत: विवि

कुलपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा अखिल भारतीय शिक्षा समागम में दिए गए भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ भविष्य के भारत के निर्माण के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि अवश्य ही शिक्षण संस्थानों के सामूहिक प्रयासों से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा। कुलपति ने कहा कि शिक्षा मंत्री ने इस प्रयास को विश्वविद्यालय स्तर पर महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि आज के समय में इस तरह की साझेदारी संसाधनों के अधिकतम उपयोग हेतु आवश्यक है और अवश्य ही ये संस्थान मिलकर शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में योगदान देंगे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 01-08-2023**

आईआईटी रोपड़ संग मिल कर काम करेगा हकेवि

महेंद्रगढ़| हकेवि, महेंद्रगढ़ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन हेतु आईआईटी, रोपड़; पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेंगा। हकेवि सहित पांच केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आईआईटी, रोपड़ के बीच अखिल भारतीय शिक्षा समागम में केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर हुए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के बाद उत्तरी क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को गति मिलेगी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 01-08-2023**

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को आइआइटी रोपड़ के साथ मिलकर काम करेगा हकेंवि

- हकेंवि सहित पांच ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर
- अध्यापन व संसाधनों के विकास में देंगे योगदान : कुलपति

अखिल भारतीय समागम में सोमवार को आइआइटी रोपड़ के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए आइआइटी, रोपड़, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेंगा।

हकेंवि सहित पांच केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आइआइटी, रोपड़ के बीच अखिल भारतीय शिक्षा समागम में केंद्रीय शिक्षा व कौशल विकास व उद्यामिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के बाद उत्तरी क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत साझेदार शैक्षणिक संस्थान मिलकर शोध, अनुसंधान, अध्ययन, अध्यापन व संसाधनों के विकास में योगदान देंगे। प्रो. टंकेश्वर ने बताया इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट के साथ-साथ स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम आदि के स्तर पर मिलकर काम करेंगे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 01-08-2023**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर करार

आईआईटी रोपड़ संग काम करेगा हरियाणा केंद्रीय विवि

महेंद्रगढ़, 31 जुलाई (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए आईआईटी रोपड़, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेगा। हकेवि सहित पांच केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आईआईटी, रोपड़ के बीच अखिल भारतीय शिक्षा समागम में केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के बाद उत्तरी क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस समझौता ज्ञापन के तहत साझेदार शैक्षणिक संस्थान मिलकर शोध, अनुसंधान, अध्ययन, अध्यापन व संसाधनों के विकास में योगदान देंगे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया इस समझौता ज्ञापन के तहत ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के साथ-साथ स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम आदि के स्तर पर मिलकर काम करेंगे। कुलपति ने कहा कि यह प्रयास एक सराहनीय पहल है और अवश्य ही इसके माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

दैनिक ट्रिब्यून Tue, 01 August 2023
https://epaper.dainiktribune

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 01-08-2023**

आईआईटी रोपड़ संग काम करेगा हकेंवि

■ केंद्रीय शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में हुआ करार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की उपस्थिति में एमओयू पर हस्ताक्षर करते हुए संस्थानों के प्रमुख। *फोटो : हरिभूमि*

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन हेतु आईआईटी रोपड़, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेंगा। हकेंवि सहित पांच केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आईआईटी, रोपड़ के बीच अखिल भारतीय शिक्षा समागम में केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा राज्यमंत्री सुभाष सरकार की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के बाद उत्तरी क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को गति मिलेगी। ज्ञापन के अंतर्गत साझेदार शैक्षणिक संस्थान मिलकर शोध, अनुसंधान, अध्ययन, अध्यापन व संसाधनों के विकास में योगदान देंगे। ज्ञापन के अंतर्गत ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के साथ-साथ स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम आदि के स्तर पर मिलकर काम करेंगे। कुलपति ने कहा कि यह प्रयास एक सराहनीय पहल है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 01-08-2023**

एम.ओ.यू. साइन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए आई.आई.टी. रोपड़ संग मिलकर काम करेगा हकेंवि

अखिल भारतीय शिक्षा समागम में शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर करने दौरान सभागी संस्थानों के प्रमुख।

हकेंवि सहित 5 केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आई.आई.टी. रोपड़ के बीच हुआ करार

महेंद्रगढ़, 31 जुलाई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन हेतु आई.आई.टी. रोपड़, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेगा।

हकेंवि सहित 5 केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आई.आई.टी., रोपड के बीच अखिल भारतीय शिक्षा समागम में केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा राज्यमंत्री सुभाष सरकार की उपस्थिति में एम.ओ.यू. पर साइन हुए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के बाद उत्तरी क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को गति मिलेगी। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत सांझेदार शैक्षणिक संस्थान मिलकर शोध, अनुसंधान, अध्ययन, अध्यापन व संसाधनों के विकास में योगदान देंगे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, एकैडमिक बैंक ऑफ क्रैडिट के साथ-साथ स्टूडैंट एक्सचेंज प्रोग्राम आदि के स्तर पर मिलकर काम करेंगे। कुलपति ने कहा कि यह प्रयास एक सराहनीय पहल है और अवश्य ही इसके माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

कुलपति ने इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अखिल भारतीय शिक्षा समागम में दिए गए भारतीय ज्ञान परम्परा के साथ भविष्य के भारत के निर्माण के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि अवश्य ही शिक्षण संस्थानों के सामूहिक प्रयासों से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

शिक्षा मंत्री ने इस प्रयास को विश्वविद्यालय स्तर पर महत्वपूर्ण बताया और कहा कि आज के समय में इस तरह की सांझेदारी संसाधनों के अधिकतम उपयोग हेतु आवश्यक है और अवश्य ही ये संस्थान मिलकर शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में योगदान देंगे।

स्वभाषा पर स्वाभिमान से ही विकसित होगा राष्ट्र: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी कम्प्यूटिंग टूल्स का योगदान विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि स्वभाषा पर स्वाभिमान करना होगा।

भारत विकसित राष्ट्र बनाने हेतु जरूरी है कि हम सभी अपनी भाषा से प्रेम करें और उसमें व्यावहारिक कामकाज, शोध, अनुसंधान को बढ़ावा देकर देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करें।

कुलपति ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए भाषाओं के बंधन से मुक्त शिक्षा व्यवस्था के विकास का भी उल्लेख किया और कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 हमें मातृभाषा में शिक्षा के अवसर प्रदान करती है। कौशल व विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु यह नीति बेहद महत्वपूर्ण है।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, डॉ. धर्मपाल पूनिया, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत, डॉ. सुमन रानी आदि उपस्थित रहे।

कार्यशाला के बाद प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान करते विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 01-08-2023**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु

आईआईटी रोपड़ संग मिलकर काम करेगा हकेवि

केंद्रीय शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में हकेवि सहित पाँच केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आईआईटी रोपड़ के बीच हुआ करार

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन हेतु आईआईटी, रोपड़; पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेंगा। हकेवि सहित पाँच केंद्रीय विश्वविद्यालयों व आईआईटी, रोपड़ के बीच अखिल भारतीय शिक्षा समागम में केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास व उद्यामिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा राज्य मंत्री श्री सुभाष सरकार की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के बाद उत्तरी क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत साझेदार शैक्षणिक संस्थान मिलकर शोध, अनुसंधान, अध्ययन, अध्यापन व संसाधनों के विकास में योगदान देंगे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के साथ-साथ स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम आदि के स्तर पर मिलकर काम करेंगे। कुलपति ने कहा कि यह प्रयास एक सराहनीय पहल है और अवश्य ही इसके माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त होगा। कुलपति ने इस मौके पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा अखिल भारतीय शिक्षा समागम में दिए गए भारतीय ज्ञान परम्परा के साथ भविष्य के भारत के निर्माण के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि अवश्य ही शिक्षण संस्थानों के सामूहिक प्रयासों से भारत को विकसित

राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा। कुलपति ने कहा कि शिक्षा मंत्री ने इस प्रयास को विश्वविद्यालय स्तर पर महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि आज के समय में इस तरह की साझेदारी संसाधनों के अधिकतम उपयोग हेतु आवश्यक है और अवश्य ही ये संस्थान मिलकर शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में योगदान देंगे।

स्वभाषा पर स्वाभिमान से ही विकसित होगा राष्ट्र: प्रो. टंकेश्वर

हकेवि में कार्यालयीन कार्यों में हिंदी कम्प्यूटिंग टूल्स का योगदान विषय पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी कम्प्यूटिंग टूल्स का योगदान विषय पर

कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी डॉ. राजीव रावत उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि स्वभाषा पर स्वाभिमान करना होगा। भारत विकसित राष्ट्र बनाने हेतु जरुरी है कि हम सभी अपनी भाषा से प्रेम करें और उसमें व्यावहारिक कामकाज, शोध, अनुसंधान को बढ़ावा देकर देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करें। कुलपति ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए भाषाओं के बंधन से मुक्त शिक्षा व्यवस्था के विकास का भी उल्लेख किया और कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 हमें मातृभाषा में शिक्षा के अवसर प्रदान करती है। कौशल व विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु यह नीति बेहद महत्त्वपूर्ण है और इसके सफलतम क्रियान्वयन से भारत की प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। कुलपति ने आयोजन में उपस्थित विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राजीव रावत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके द्वारा प्रस्तुत ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को मिलेगा। कार्यशाला की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी का उपयोग करने का प्रयास करने के स्थान पर संकल्प के साथ हिन्दी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी हमारी भाषा है और हमें चीन, जर्मनी, रूस जैसे देशों से भाषा प्रेम को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दी की महत्ता के साथ-साथ उसके उपयोग और उसके लिए उपयोगी तकनीकी उपकरणों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। अपने प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजीव रावत ने हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी टाइपिंग के विभिन्न विकल्पों की भी जानकारी दी। कार्यशाला में मंच का संचालन शिक्षक शिक्षा विभाग में सहायक आचार्य डॉ. शंकर लाल ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के हिंदी अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने दिया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. सारिका शर्मा, डॉ. धर्मपाल पूनिया, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत, डॉ. सुमन रानी सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, महेंद्रगढ़ के सदस्य भी उपस्थित रहे।